आरती श्री नटवर नागर जी की

आरती कीजै श्रीनटवर की ।
गोवर्धन धारी वंशीधर की ।। टेक ।।

नन्द सुवन जसुमति के लाला,
गोधन गोपी प्रिय गोपाला,
देवप्रिय असुरन के काला,
मोहन विश्वविहंजन वर की ।

जय वासुदेव देवकी नन्दन,
कालयवन कंसादि निकन्दन,
जगदाधार अजय जगवन्दन,
नित्य परम श्यामसुन्दर की ।

अकल कलाधर सकल विश्वधर,
विश्वम्भर कामद करुणाकर,
अजर अमर मायिक मायाहर,
निर्गुण चिन्मयगुणमन्दिर की ।

पाण्डव पूत परीक्षित रक्षक,
अतुलित अहि अघ मूषक भक्षक,
जगमय जगत निरीह के रक्षक,
ब्रह्म सनातन परमेश्वर की ।

नित्य सत्य गोलोकविहारी,
अजाव्यक्त लीला वसुधारी,
लीलामय लीला विस्तारी,
मधुर मनोहर राधावर की ।

विवरण

गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले एवं वंशीबजाने वाले श्री नटवर की आरती है। ये नन्द के पुत्र एवं यशोदा के लाला गायों एवं गोपियों के बड़े ही प्रिय हैं । देवताओं के प्रेमी हैं परन्तु असुर (राक्षस) इन्हें काला कह के बुलाते हैं, ऐसे
सम्पूर्ण विश्व के मन को मोहने वाले नटवर नागर की आरती है ।

वासुदेव एवं देवकी के नन्दन की जय हो । जो कालयवन, कंस आदि को मारने वाले जगत् के आधार हैं, अजय(जिन्हे कभी जीता नहीं जा सकता) ऐसे परम श्याम सुन्दर की सारा जग रोज वन्दना करता है ।

जो सर्वकलाओं में निपुण हैं, सम्पूर्ण विश्व के आधार हैं, जिनपे सारा जग आधारित है, जो दया के सागर हैं, जो अजर हैं (जिनकी कभी बुढ़ापा नहीं आ सकती), जो अमर हैं (जो कभी मर नहीं सकते), जो मायिक हैं (माया को फैलाने वाले हैं), मायाहर हैं (माया को हरने वाले भी हैं) ये नटवर नागर ज्ञानमय गुणों की मन्दिर हैं, ऐसे कन्हैया की हम निर्गुण (गुणों से रहित) आरती करते हैं ।

ये पाण्डवों के पुत्र राजा परीक्षित के रक्षक भी हैं । सम्पूर्ण जगत् का एवं जिनका कोई नहीं हैं, उनके रक्षक हैं, ऐसे परमेश्वर की पूरा ब्रह्माण्ड आरती करता है । नित्य गायों को लेकर विहार करने वाले हैं, ये रत्नधारी शेषनाग के उपर भी चढ़कर अपनी लीला को व्यक्त करने से बाज नहीं आये । ये लीला को विस्तृत करने वाले लीलामय कन्हैया, मन को हरने वाले कन्हैया, राधा के पति भी हैं ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.